NT>

Title: Need to provide financial assistance to the Government of Jharkhand to promote literacy in the State.

श्री राम टहल चौधरी (रांची) : सभापति महोदय, मैं सदन का ध्यान झारखंड में व्याप्त निरक्षरता की तरफ दिलाना चाहता हूं। हालांकि केन्द्र सरकार राज्यों की साक्षरता बढ़ाने हेतु धन उपलब्ध करवा रही है और कई योजनाएं चला रही है। झारखंड में अभी भी 50 प्रतिशत स`70 प्रतिशत तक निरक्षरता है और आदिवासियों एवं महिलाओं में यह इससे भी ज्यादा है। देखा यह गया है कि इस प्रदेश में निरक्षरता का मुख्य कारण अध्यापकों की कमी है। आज स्वीकृत पदों की अपेक्षा कम अध्यापक काम कर रहे हैं जिसके कारण झारखंड में केन्द्र सरकार द्वारा साक्षरता को बढ़ाने के प्रयास सफल नहीं हो रहे हैं और कई स्कूल टीचरों के अभाव में बन्द पड़े हैं। अतः प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालयों में टीचरों की अत्यंत आवश्यकता है और व्यावसायिक कोर्स भी अत्यंत आवश्यक है जिससे लोग काम सीख कर रोजगार प्राप्त कर सकें।

मेरा सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि झारखंड प्रदेश में आवश्यकतानुसार टीचर नियुक्त करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करें। अगर धन की आवश्यकता है तो वह भी उपलब्ध करवाने की कृपा करें।